planning and development, then what is going to happen in the country? The issue is .not whether or not the Cabinet is above the Secretaries. Of course, the Cabinet is above them. The hon. Minister, Mr. Jaipal Reddy, is there; he has been championing the cause of propriety in the functionin of the Government. Will he come before the House to say ...*(Interruptions)*... will he come before the House to say ...*(Interruptions)*...

THE DEPTUY CHAIRMAN. Okay. You have made your point.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: What is this? ...*(Interruptions)*... Madam, he has always been championing. ...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no no. This is not the way. Prof. Vijay Kumar Malhotra. ...*(Interruptions)*...

Prof. Vijay Kumar Malhotra.

SHRI H. HANUMANTHAPPA: (Karnataka) Madam, they want Mr. Jaipal Reddy to be the spokesman of the Government:

SHRI S.S. AHLUWALIA (Bihar): Where are Mr. Chaturanan Mishra and Mr. Shees Ram Ola?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Vijay Kumar Malhotra. ...*(Interruptions)*...

SHRI JIBON ROY: Madam, please ask him to make a statement.

THE DEPTUY CHAIRMAN: No, no; he has heard it. I can't expect the Minister to get up on every Special Mention and say 'I want to make a statement'.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: If not today, at least on Friday he can do it.

SHRI JIBON ROY: Madam, It is an important policy-decision.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, you have noted it. You are the Leader of this House. Please take note of it and inform the Government that on this matter the Members are very agitated.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Thank you very much.

RE: ADMISSION OF GOVERNMENT OF PAKISTAN ON 38 TERRORIST TRAINING CAMPS

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : उपसभापति महोदया, पाकिस्तान के समाचारपत्र "डेली न्यूज इन्टरनेशनल" में पाकिस्तानी सरकार की एक खुफिया रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 38 टैरेरिस्ट ट्रेनिंग सेन्टर चल रहे हैं जहां से आतंकवादियों को ट्रेनिंग देकर कश्मीर व दूसरे देशों में जिहाद के नाम पर भेजा जाता है। इनमें से 28 शिविर पंजाब में, 2 बिलोचिस्तान में, 3 सिन्ध में और 5 पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर के अंदर चल रहे हैं। करांची के अंदर इसके अलावा भी 43 कैम्प छोटे पैमाने पर चल रहे हैं।

उपसभापति महोदया, हम हमेशा यह बात कहते रहे हैं कि पाकिस्तान में टैरेरिस्ट कैम्पस चल रहे हैं और पाकिस्तान इससे इन्कार करता रहा। पर अब पाकिस्तान की अपनी खुफिया रिपोर्ट है जो कि उसने खुद तैयार करवायी थी उस रिपोर्ट ने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है और यह साबित हो गया है कि पाकिस्तान के अंदर इन कैंपों के जरिए वहां से काश्मीर के अंदर इनको भेजा जाता है। वहां ट्रेनिंग दी जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक न सिर्फ उनको सब तरह के हथियारों में ट्रेनिंग दी जाती है बल्कि कैसे यहां पर बम विस्फोट किए जाएं उसकी भी ट्रेनिंग दी जाती है। और उनको पूरी तरह से हिन्दुस्तान और दूसरे देशों में टेरोरिस्ट्स के लिए तैयार किया जाता है। अभी गुवाहाटी में एक डायरी पकड़ी और उस डायरी के अंदर पूरा का पूरा प्लान उसमें दिया हुआ था पाकिस्तान के ऐसे टेरोरिस्ट कैम्पस के बारे में। वह हमारी सेना ने पकड़ी और इसके अतिरिक्त दिल्ली में करीबन सौ से ज्यादा आतंकवादी पकड़े गए उन्होंने भी इस बात को कबूल किया है कि ये टेरोरिस्ट कैम्पस वहां पर चल रहे हैं।

मैं सिर्फ यह बात कहना चाहता हूं कि अभी हमने अपनी तरफ से पाकिस्तान को बहुत सी सहूलियतें दी हैं। गुजराल साहब ने वीसा के रूल्स बहुत लिबरल बना दिए हैं। इस मामले में इस हाउस में, यहां एक सवाल के जवाब में बताया गया कि 10 हजार पाकिस्तानी वीसा लेकर आए और वपस नहीं गए। अब तक एक लाख के करीब ऐसे हैं जो शुरू से लेकर आज तक वापस नहीं गए। उन लोगों के लिए अब तो आपने यह कह दिया है कि उनको पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं है सुओ-मोटो वन-साइडेड हमने वीसा की सिविधा उनको दी है जिसको पाकिस्तान ने रिसीप्रोकेट नहीं किया है।

यह हमारी नेशनल सिक्योरिटी का सवाल है । देश की सुरक्षा का सवाल है और ...(**व्यवधान**)... मै एक मिनट में खत्म कर रहा हूं । इस देश की सिक्योरिटी के सवाल को और जो टेरोरिस्ट कैम्पस वहां पर चल रहे हैं जो अब साबित हो गया है, हमें पाकिस्तान के साथ चाहे सार्क सम्मेलन में या दूसरी जगह टाप प्रायोरिटी पर लेना चाहिए । यह जो हमारी सिक्योरिटी की तरफ खतरा है इस सिक्योरिटी के खतरे की तरफ हिंदुस्तान की सरकार लापरवाही न बरते । जो गुजराल डाक्ट्रिन है उसका मतलब यह न लगा दिया जाए कि हमारे देश की सिक्योरिटी उस डाक्ट्रिन से खतरे में पड़ी रहे ।

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, एक मिनट । ये जो फिगर्स आपने बताए हैं यह आपको कहां से मिले।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह पाकिस्तान की न्यू इंटरनेशनल डेली...

श्री वसीम अहमद : मै यह नहीं कह रहा हूं । जो आपने यह कहा कि 10 हजार पाकिस्तानी यहां आए हैं, एक लाख आए हैं, यह फिगर आपको कहां से मिली ?

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह आपका जो जवाब है पार्लियामेंट के अंदर उस जवाब के अंदर यह कहा गया है कि पाकिस्तान से 10 हजार पहले आए 5 साल में और शुरू से लेकर अब तक एक लाख । वे लोग वीसा लेकर आए और यहां गायब हो गे । वे वापस नहीं गए और हमारी खुफिया रिपोर्ट ने, वे वापस नहीं गए, यह रिपोर्ट दी है

RE: SUICIDE BY FODDER-SCAM ACCUSED

श्री रामदेव भंडारी (बिहार) : महोदया, इस सदन के अंदर माननीय सदस्यों ने बिहार के चारा कांड के संबंध में पूर्व में कुछ सवाल उठाए हैं । आज मैं भी आपके माध्यम से सदन तथा सरकार का ध्यान चारा कांड में एकाएक घटी एक गंभीर एवं अमानवीय घटना की ओर दिलाने के लिए खड़ा हुआ हूं । इस चारा कांड के एक आरोपी हरीश खंडेलवाल ने धनबाद में ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली है । दिल्ली तथा बिहार के प्रमुख समाचार पत्रों के मुखपृष्ठ पर यह खबर छपी है । कुछ ने तो इसे बाक्स में छापा है । खंडेलवाल की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें धनबाद के एक सी.बी.आई. अधिकारी पर अत्यधिक मानसिक एवं शारीरिक यंत्रणा देने का आरोप लगाया गया है जिसकी वजह से जलील होकर

उसने आत्महत्या की है । श्री खंडेलवाल को सी.बी.आई. ने पूछताछ के लिए धनबाद बुलाया था । टाइम्स आफ इंडिया के 11 मई के अंक में छपी एक खबर के अनुसार हरीश के छोटे भाई संजय ने सी.बी.आई. के धनबाद स्थित जांच अधिकारी पर आरोप लगाया है कि उसके द्वारा शारीरिक तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने तथा एक स्टेटमेंट पर जबर्दस्ती हस्ताक्षर कराए जाने की वजह से विवश और तंग होकर उनके भाई ने आत्महत्या की है । उसको एप्रूवर बनाने के लिए दबाव डाला जा रहा था ।

महोदया, सी.बी.आई. पर इस प्रकार का आरोप लगना अत्यंत गंभीर बात है । सी.बी.आई. इस देश की एक ऐसी जांच एजेंसी है जिसको देश में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है । इसका आचरण तथा क्रियाकलाप विवादों तथा संदेह से परे समझा जाता रहा है । सभी दलों के लोगों ने इसकी निष्पक्षता देखते हुए कई मामलों में सी.बी.आई. से जांच कराने की मांग कर इस एजेंसी में अपना विश्वास व्यक्त किया है परंतु आज मैने जिस घटना का जिक्र किया है उसकी वजह से एक बार शक की सुई सी.बी.आई. की तरफ घूम जाती है जो इस एजेंसी तथा देश के लिए चिंता की बात है । हरीश खंडेलवाल के सुसाइड नोट ने धनबाद के सी.बी.आई. अधिकारी तथा सी.बी.आई. को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया है ।

यह इस एजेंसी की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के लिए अच्छी बात नहीं है । कहीं ऐसा तो नहीं है कि यह एजेंसी अपनी बड़ी शक्ति की वजह से निरंकुश होकर अपने कर्तव्यों तथा दयित्वों से अलग हो रही है या कुछ ऐसे पदाधिकारियों की इस एजेंसी के बड़े पदों पर नियुक्ति तो नहीं कर दी गई है जो इस पद पर रहते हुए राजनीति कर रहे हों या अपने राजनीतिक आकाओं के हाथ का खिलौना बन रहे हों ? अगर ऐसा है तो यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान के लिए बहुत घातक है । सी.बी.आई. द्वारा चारा घोटाले के संबंध में बार-बार प्रैस में जाना, चार्जशीट के संबंध में विवादास्पद बयान देना, गोपनीयता नहीं बनाए रखना, क्या यह इसके कोड ऑफ कंडक्ट के विरूद्ध नहीं है ? क्या इस तरह से कंफ्यूज़नस पैदा नहीं होता है? अतः मैं आपके माध्यम से सदन तथा सरकार से इस संस्था की भूमिका और क्रियाकलापों की समीक्षा के लिए एक आयोग के गठन का अनुरोध करता हूं, जो अन्य बातों के अतिरिक्त यह भी देखे कि इस संस्था में नियुक्त होने वाला पदाधिकारी, खास कर सर्वोच्च पदाधिकारी किसी राजनीतिक दल अथवा राजनीतिक व्यक्ति से जुड़ा हुआनहीं हो और वह राजनीतिक हथियार